आज्ञापालन करना सीखे

इस अंक के बाल विशेष का विषय है आज्ञापालक बनना यानि कि हमें अपनों से बड़ों की, टीचर की, बड़े भाई-बहन की आज्ञा का पालन पूरी जिम्मेदारी से करना है और करना सीखना है। हम हमारे जीवन में विभिन्न तरह के ROLE PLAY करते है, यानि कि बहुत तरह की भूमिकाएं निभाते है, जैसे माँ-पिता के लिये उनके बेटे या बेटी का SIBLING का TEACHER के लिये STUDENT का ROLE आदि और इसी के साथ हमारा एक COMMON ROLE जो हम सभी को बनने की पूरी कोशिश करनी है वह है एक जिम्मेदार और श्रेष्ठ मनुष्य बनने की कोशिश जैसे हम पिछले वर्ष थे उससे और बेहतर बनने की।

जब हम भगवान कृष्ण के बारे में पढ़ते है, सुनते या देखते है, तो हमें पता चलता है कि उन्होंने अपने जीवन में कितने ROLE PLAY किये है और हर भूमिका या ROLE में वे कैसे PERFECT थे, कभी वे बचपन में अपने ग्वाले दोस्तों के साथ चरवाहे यानि कि गायों को चराने वाले गोपालक बनें, कभी नटखट पुत्र कान्हा बने, योद्धा या WARRIOR का ROLE भी उन्होंने कितने महानता से निभाया, एक कुशल राजा बने, महाभारत युद्ध के समय अर्जुन के रथ के सारथी भी बने। क्या आप सोच सकते है कि पूरे ब्रह्माण्ड के संचालक श्रीकृष्ण जिनसे पूरा विश्व चलता है, वे अर्जुन के रथ के घोड़े चला रहें है, घोड़ो का रख-रखाव, सफाई, यहां तक कि उनका गोबर भी उठा रहें है?

इसी प्रकार श्री कृष्ण भगवान ने हमें सिखाया है कि जीवन में हमें जो भी ROLE या किरदार ASSIGN हुआ है, जो भी हमें PLAY करना है, उसे पूरी HONESTY के साथ बिना किसी शिकायत के FOLLOW करना है। यह सब करना EASY नहीं है, एक दिन में हम सभी काम अच्छे तरह से PERFORM नहीं कर सकते, इसके लिये हमें DAILY BASIS पर लगातार PRACTICE करनी है, सभी को OBEY करना है किसी न किसी की छोटी सी HELP से शुरूआत करनी है, भगवान श्री कृष्ण से कुछ न कुछ सीखना जरूर है।